अर्थव्यवस्थाओं में नियामक विफलताओं को दूर करना जरूरी

जयपुर. उभरती अर्थव्यवस्थाओं में नियामक विफलताओं एवं कमजोर संस्थागत क्षमताओं को उजागर कर उनकी कमियों को दूर करने को लेकर कट्स इंटरनेशनल की ओर से आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में दूसरे दिन शुक्रवार को मुख्य वक्ता भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग की पूर्व सदस्या गीता गौरी ने दूरसंचार क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा आयोग एवं दूरसंचार नियामक में चल रहे विवाद का उल्लेख किया। वहीं सम्मेलन में विभिन्न विषय विशेषज्ञ वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे, जिनमें एलन अशर, कीथ मसकस, शमनाद बशीर, डेरेक रित्जमैन, किरण मीतेरभान सहित अन्य विशेषज्ञ शामिल रहे। कट्स इंटरनेशनल के महासचिव प्रदीप एस. मेहता ने बताया कि इस तरह का सम्मेलन सबसे पहले वर्ष 2007 में आयोजित किया गया था और हर 2 वर्ष के अंतराल में इस सम्मलेन का आयोजन किया जाता रहा है।